MAHANTH MAHADEVANAND MAHILA MAAHAVIDALAYA, ARA
ACTIVITY REPORT

Name of the department: Sanskrit

Name of activity: Sanskrit sulekh avm srutlekh karyshala

Level of activity: Departmantal

Date of activity: 28/07/2021

Head of the department: Dr. Manoj kumar

Name of resource persons: Dr. Rakhi Singha

Number of teacher participated: 10

Number of student participated: 25

Manoj Kumar
Sanskrit department
MM Mahila College, Ara

ऑनलाइन पढ़ाई से 'सुलेख' और 'श्रुतलेख' परंपरा को क्षति

Inquilab 29.7.21

आरा। महंथ महादेवानंद महिला महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की ओर से दो दिवसीय कार्यशाला हिन्दी 'सुलेख' एवं 'श्रुतलेख' का आयोजन किया गया। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ आभा सिंह ने की। मौके पर सुलेख और श्रुतलेख के बारे में कई जानकारी दी गई।

विभागाध्यक्ष डॉ सुधा रजनी ने कहा कि मोबाइल और टाइपराटिंग के बढ़ते प्रयोग और कोरोना काल में शिक्षण संस्थानों में ऑनलाइन के माध्यम से पठन-पाठन का कार्य होने के कारण 'सुलेख' और 'श्रुतलेख' की परम्परा को क्षति पहुंची है। ऐसे में यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए काफी उपयोगी साबित होगी। कार्यशाला में निर्णायक की भूमिका में संस्कृत विभाग के डॉ मनोज कुमार और राजनीति विज्ञान की सहायक प्रवक्ता डॉ राखी सिन्हा रहीं। साथ ही अन्य विभागों की असिस्टेंट प्रोफेसर और अतिथि शिक्षक मौजूद थीं। कार्यशाला में कला व विज्ञान दोनों ही संकाय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। हिन्दी विभाग की द्वितीय वर्ष की छात्रा निकिता सिंह को प्रथम पुरस्कार और हिन्दी विभाग की बंटी कुमारी को द्वितीय पुरस्कार मिला। रसायन शास्त्र विभाग की बबली कुमारी को तृतीय पुरस्कार मिला।

संस्कृत विभाग में भी कार्यशालाः संस्कृत विभाग में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें कात्ययानी कुमारी इतिहास विभाग की छात्रा को प्रथम पुरस्कार, श्वेता कुमारी मनोविज्ञान की छात्रा को द्वितीय पुरस्कार और पूर्णिमा कुमारी इतिहास विभाग की छात्रा को तृतीय पुरस्कार मिला। रिमझिम कुमारी और शालू कुमारी को भी प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया।

महिला महाविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला समाप्त

आरा। महंथ महादेवानंद महिला महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला हिंदी 'सुलेख' एवं 'श्रुतलेख' का समापन बुधवार को हुआ। यह कार्यशाला हिंदी विभाग की तरफ से आयोजित किया गया था। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आभा सिंह ने किया। कार्यशाला में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। हिंदी विभाग की द्वितीय वर्ष की छात्रा निकिता सिंह को प्रथम पुरस्कार, बंटी कुमारी को द्वितीय पुरस्कार एवं रसायन शास्त्र विभाग की छात्रा बबली कुमारी को तृतीय पुरस्कार दिया गया। हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुधा रंजनी ने कहा कि मोबाइल और टाइपराइटिंग के बढ़ते प्रयोग एवं कोरोना काल में शिक्षण संस्थान में ऑनलाइन के माध्यम से पठन- पाठन का कार्य होने के कारण 'सुलेख' और 'श्रुतलेख' की परम्परा को क्षति पहुंची है। ऐसे में यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। कार्यशाला में जज की भूमिका में संस्कृत विभाग के डॉ. मनोज कुमार और राजनीति विज्ञान की सहायक प्रवक्ता डॉ. राखी सिन्हा ने निभाई। दूसरी तरफ संस्कृत विभाग में भी एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें कात्यायनी कुमारी को प्रथम श्वेता कुमारी को द्वितीय पुरस्कार दिया गया।

Hindustan 29.7.21